23 may 1-8 pages.qxd 5/23/2025 8:54 AM Page 2

दैनिक
भारतेन्दु शिखर

वर्ष : 26 | अंक : 25 | शिमला | शुक्रवार 23 मई, 2025 | मूल्य : 1.50 रुपए

26 तक बारिश के आसार, तेज हवाओं के साथ बरसेगा अंबर, अलर्ट जारी

शिमला : मई के महीने में मौसम विभाग ने हिमाचल के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार से 26 मई तक यह अलर्ट रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ के नए स्पैल के कारण ऐसा हो रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार राज्य के कई भागों में 28 मई तक बारिश का दौर जारी रहने का पूर्वानुमान है। 23 व 24 मई को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन व सिरमौर जिले के कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि और अंधड़ चलने का ऑरेंज अलर्ट है। 23 से 28 मई तक मौसम खराब रहेगा, लेकिन यलो अलर्ट 26 तक का ही है। इस दौरान हवाओं की रफ्तार 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे रहने की संभावना है। बिजली की गर्जना के साथ बारिश का पूर्वानुमान दिया गया है। हालांकि गुरुवार को शिमला और आसपास के क्षेत्रों में पूरा दिन मौसम साफ रहा। हालांकि पूरा दिन मौसम काफी गर्म भी रहा। बारिश और ओलावृष्टि के यलो और ऑरेंज अलर्ट से बागबानों और किसानों की परेशानियां बढ़ने वाली हैं। पिछले दिनों हुई बारिश और ओलावृष्टि से बागवानों और किसानों को लाखों का नुकसान हुआ है।

छपते-छपते

राज्यपाल ने शिकारी माता मंदिर में दर्शन किए

शिमला : राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने मंडी जिला के अपने तीन दिवसीय प्रवास के अंतिम दिन आज सराज विधानसभा क्षेत्र में जंजैहली के समीप स्थिति शिकारी माता मंदिर में दर्शन किए। लेडी गवर्नर जानकी शुक्ला भी उनके साथ उपस्थित थीं। राज्यपाल ने हेलीपेड से मंदिर तक का रास्ता पैदल तय किया। मंदिर में उन्होंने पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर समिति की ओर से पहली बार यहां पहुंचने पर राज्यपाल व लेडी गवर्नर को सम्मानित किया गया।

उप-मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला : उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सोलन जिला के सायरी क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुंदर सिंह जसवाल के निधन पर शोक व्यक्त किया है। जसवाल का आज प्रातः उनके निवास स्थान पर निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे। अग्निहोत्री ने कहा कि सुंदर सिंह जसवाल एक समर्पित और निःस्वार्थ जनसेवक थे, जिन्होंने खादी बोर्ड के उपाध्यक्ष, जिला परिषद सदस्य तथा ग्राम पंचायत सायरी के प्रधान के रूप में समाज की सेवा की। उन्होंने क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए उल्लेखनीय कार्य किए, जिन्हें सदैव याद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कृतिका शर्मा को माउंट एवरेस्ट फतह करने पर बधाई दी

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सिरमौर जिले की 17 वर्षीय कृतिका शर्मा को विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट फतह करने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि कृतिका ने इस साहसिक उपलब्धि से न केवल हिमाचल प्रदेश बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय कैडिट कोर (एनसीसी) के कैडेट कृतिका ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और अदम्य साहस का परिचय देते हुए इस कठिन लक्ष्य को हासिल किया है। उनकी यह उपलब्धि देश व प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री ने बीबीएमबी में हिमाचल से स्थायी सदस्य की नियुक्ति का अनुरोध किया

सुक्खू ने बैरा-स्यूल परियोजना को हिमाचल को सौंपने की लंबित मांग पर भी चर्चा की

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भेंट कर हिमाचल प्रदेश के हितों से जुड़े कई अहम मुद्दे उठाए। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू) द्वारा संचालित जलविद्युत परियोजनाओं में राज्य की मुफ्त बिजली हिस्सेदारी बढ़ाने का आग्रह किया, खासकर उन परियोजनाओं में जहां लागत पहले ही वसूल की जा चुकी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, लेकिन इसके वाजिब अधिकारों की भी रक्षा की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हालांकि सार्वजनिक क्षेत्र और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का जल विद्युत उत्पादन के माध्यम से काफी विस्तार हो चुका है लेकिन हिमाचल प्रदेश को इसका जायज हक नहीं मिला है। मुख्यमंत्री ने बैरा-स्यूल परियोजना को हिमाचल को सौंपने की लंबे समय से लंबित मांग पर भी चर्चा की, जिसका निर्माण 1980-81 में किया गया था। उन्होंने भाखड़ा ब्यास प्रबन्धन बोर्ड (बीबीएमबी) से बकाया राशि जारी करने का भी अनुरोध किया। साथ ही उन्होंने बीबीएमबी में हिमाचल प्रदेश से एक स्थायी सदस्य नियुक्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। केन्द्रीय विद्युत मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सुक्खू ने सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएनएल) की लुहरी, सुन्नी तथा धौलसिद्ध परियोजनाओं के साथ-साथ एनएचपीसी की डुग्गर परियोजना को राज्य को सौंपने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी देने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं का लागत मूल्यांकन वर्तमान में किया जा रहा है। उन्होंने जाठिया देवी टाउनशिप के विकास के लिए केन्द्रीय निधि की भी मांग की तथा शहरी विकास विभाग के अन्तर्गत चल रही विभिन्न परियोजनाओं पर विचार-विमर्श किया।

मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री को केन्द्र से हर सम्भव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह, प्रधान सचिव (वित्त) देवेश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर तथा आवासीय आयुक्त मीरा मोहंती भी इस अवसर पर उपस्थित थीं।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निकाली तिरंगा यात्रा

शिमला : भारतीय सेना के सम्मान और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में गुरुवार को झंडूता विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्राएं निकाली गई। झंडूता और शाहतलाई मंडल भाजपा के तत्वावधान में झंडूता व बरठीं बाजार में निकाली गई इन यात्राओं में कांगड़ा के विधायक पवन काजल व झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने विशेष तौर पर उपस्थिति दर्ज करवाई। हाथों में तिरंगे उठाए दोनों विधायकों के नेतृत्व में झंडूता स्कूल से कोटलू मोड़ तक लगभग दो किलोमीटर तथा बरठीं में मोदी चौक से गांधी चौक तक करीब डेढ़ किलोमीटर यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने भारतीय सेना के सम्मान में जोरदार जयघोष भी लगाए। तिरंगा यात्रा के दौरान अपने संबोधन में जीतराम कटवाल ने कहा कि एक माह पूर्व गत 22 अप्रैल को श्रीनगर के पहलगाम में आतंकियों ने 26 निर्दोष लोगों की निर्ममतापूर्ण ढंग से हत्या कर दी थी।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया। भारतीय शूरवीरों ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के नौ मुख्य अड्डे नेस्तनाबूद करने के साथ ही 11 एयरबेस भी तहस-नहस कर दिए। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता इस बात का प्रमाण है कि जब मजबूत नेतृत्व दृढ़ इरादों के साथ देश हित में काम करता है, तो बड़ी से बड़ी चुनौती भी बौनी साबित हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार साबित कर रही है कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं जताता है, बल्कि निर्णय करता है। देशवासियों की सुरक्षा के लिए वह किसी भी हद तक जा सकता है। सेना को सर्वोच्च सम्मान, तकनीक में आत्मनिर्भरता और दुनिया में मजबूत कूटनीतिक छवि बनाना विकसित भारत की सोच में शामिल है। विकसित भारत केवल आर्थिक दृष्टि से ही प्रगति नहीं करता, बल्कि राष्ट्रभाव, सम्मान और आत्मगौरव से भी समृद्ध होता है। उन्होंने दोनों मंडलों में तिरंगा यात्रा के सफल आयोजन के लिए सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

टेबल टेनिस प्रतियोगिता में 55 स्कूल लेंगे हिस्सा

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : समर फेस्टवल को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। इस साल समर फेस्टिवल में खेल प्रतियोगिओं का आयोजन प्रमुख्ता से किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय ग्रीष्मोत्सव के दौरान होने वाली टेबल टेनिस प्रतियोगिता में शिमला के दूरदराज के जनजातीय क्षेत्र डोडरा क्वार के बच्चे हिस्सा लेंगे। टेबल टेनिस प्रतियोगिता की तैयारियों लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त अनुपम कश्यप ने की। उपायुक्त ने कहा कि इस बार अंतरराष्ट्रीय ग्रीष्मोत्सव के दौरान टेबल टेनिस प्रतियोगिता में 55 स्कूल टेबल टेनिस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे जिसमें 35 सरकारी स्कूल और 20 निजी स्कूल होंगे। हर स्कूल से 10 खिलाड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे जिसमें 50 फीसदी लड़के और 50 फीसदी लड़कियां होगी। प्रतियोगिता दो से चार जून तक आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही उक्त सभी बच्चों को अंतराष्ट्रीय ग्रीष्मोत्सव के दौरान होने वाली सांस्कृतिक संध्या भी दिखाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में विजेताओं-उप विजेताओं को ट्राफी, सर्टिफिकेट और वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही सभी खिलाड़ियों को टीशर्ट भी वितरित की जाएगी। खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की जाएगी जिसके लिए उन्होंने उप निदेशक उच्च शिक्षा को व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। उपायुक्त ने बताया कि टेबल टेनिस प्रतियोगिता के दौरान जिला के सभी अधिकारी रात्रि भोजन खिलाड़ियों के साथ करेंगे। उपायुक्त स्वयं बच्चों के साथ भोजन करेंगे। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक डाइट उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया जायेगा। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त अभिषेक वर्मा, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी प्रोटोकॉल ज्योति राणा, अतिरिक्ति जिला दंडाधिकारी कानून एवं व्यवस्था पंकज शर्मा, उपमण्डल दण्डाधिकारी (ना0) शिमला ग्रामीण मंजीत शर्मा, जिला खेल अधिकारी राकेश धौता, कोच डारविंद्र बांश्टू, जिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता के महासचिव अभय लखन पाल सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एसजेवीएन की 100 मेगावाट की नवा सौर विद्युत परियोजना का शिलान्यास किया

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : एसजेवीएन के लिए गौरवमयी क्षण के रूप में, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के बीकानेर में 100 मेगावाट नवा सौर विद्युत परियोजना का वर्चुअल शिलान्यास किया।

इस ऐतिहासिक अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, केंद्रीय रेलवे, आईबी, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे ।

इस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) एसजेवीएन भूपेंद्र गुप्ता, निदेशक (परियोजनाएं) सुशील कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक) अजय कुमार शर्मा, निदेशक (वित्त) (अतिरिक्त प्रभार) राजेंद्र प्रसाद गोयल तथा एसजेवीएन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बीकानेर में आयोजित समारोह के दौरान एसजेवीएन और एसजीईएल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। 100 मेगावाट की नवा सौर विद्युत परियोजना एसजेवीएन द्वारा अपनी नवीकरणीय अधीनस्थ कंपनी एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एसजीईएल) के माध्यम से राजस्थान के डीडवाना कुचामन जिले के नवा में विकसित की जा रही है। इस परियोजना को 415 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जाएगा। यह सौर परियोजना वर्ष 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन हासिल करने के राष्ट्र के लक्ष्य में योगदान देगी। इस परियोजना से प्रथम वर्ष में लगभग 254.51 मिलियन यूनिट तथा 25 वर्षों की अवधि में लगभग 5850 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादित होने की संभावना है। उत्पादित बिजली 2.62 रुपए प्रति यूनिट की दर से आरयूवीआईटीएल को आपूर्ति की जाएगी। इस परियोजना से 25 वर्षों की अवधि में 2.86 लाख टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन कम होने की संभावना है, जो पर्यावरणीय सततशीलता में उल्लेखनीय योगदान देगी।

31 दिसंबर 2025 तक कमीशन होने वाली यह परियोजना क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर सृजित करेगी।

सुख सरकार ने कामगारों के बच्चों की उच्च शिक्षा का सपना किया साकार

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मशाला : सुख की सरकार ने कामगारों के नौनिहालों की निश्चल, अल्हड़ और उन्मुक्त हंसी खुशी में उज्जवल भविष्य के रंग भर दिए हैं। कभी अपने परिजनों के साथ मेहनत मजदूरी में हाथ बंटाते इन नौनिहालों को उच्च शिक्षा हासिल करना महज एक सपना प्रतीत होता था लेकिन मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खु के कुशल नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड ने कामगारों के बच्चों को शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाकर सपने को न सिर्फ हकीकत में बदला, बल्कि उनके नौनिहालों को आत्मनिर्भर बनने की राह पर भी आगे बढ़ाया।

धर्मशाला तहसील के नरवाणा खास गांव के लखबीर सिंह, लेख राज, ज्वाली की रेणु देवी जैसे कई कामगारों ने कामगार कल्याण बोर्ड से वितीय मदद मिलने बाद अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य को संवरते हुए देखा है। कामगार लखबीर सिंह की दो बेटियों को पढ़ाई के लिए 72000 हजार की वित्तीय मदद मिली है जिसमें एक बेटी ईशा सैणी एमएससी प्रथम वर्ष और दूसरी बेटी वंशिक जमा दो की पढ़ाई कर रही है। इसी तरह से लेख राम की बेटी जमा एक की पढ़ाई कर रही है इन्हें 12000 की वितीय सहायता मिली है वहीं रेणु देवी की दोनों बेटियों को 96000 की वितीय मदद मुहैया करवाई गई हैं।

विद्युत उपमंडल सिद्धपुर में 24 मई को रहेगी बिजली बंद

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मशाला : विद्युत उपमंडल सिद्धपुर के सहायक अभियन्ता संतोष कुमार ने बताया कि 24 मई 2025 को 11 केवी धर्मशाला फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों क्लब महिन्द्रा, धर्मशाला पैराडाइस, पैट्रोल पंप, शीला चैंक आदि क्षेत्रों में प्रात: 09:30 बजे से शाम कार्य की समाप्ति तक विद्युत आपूर्ति पूर्णत: बाधित रहेगी।

उन्होंने बताया कि मौसम खराब होने या अन्य आकस्मिक आपदा की स्थिति में यह कार्य स्थगित या आंशिक रूप से किया जाएगा। उन्होंने सर्वसाधारण जनता से बिजली विभाग को सहयोग करने की अपील भी की है।

6.78 करोड़ रुपए से बनेगी ठठड - त्रिपल - मेवा सड़क : कमलेश ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता

देहरा : विधानसभा क्षेत्र देहरा की विधायक कमलेश ठाकुर ने आज त्रिपल पंचायत में विधायक गांव के द्वार कार्यक्रम के तहत लोगों से मिले और जन समस्याओं को सुना।

विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि 6.78 करोड़ की लागत से नाबार्ड के अंतर्गत ठठड - त्रिपल - मेवा सड़क का निर्माण कार्य होगा और इसी सड़क पर 23 लाख रुपए की लागत से 10 मीटर पुल का निर्माण कार्य भी चल रहा है। साथ ही रानीताल लुनसू वाया त्रिपल सड़क पर नागनी खड्ड में 50 हजार रुपए से पुल का निर्माण कार्य होगा।

विधायक ने कहा कि 5.50 लाख रुपए त्रिपल पंचायत में रास्ते, रिटेनिंग वॉल जैसे विकास कार्यों के लिए खर्च किए जा रहे है। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य लक्ष्य शिक्षा , स्वास्थ्य और कृषि को बढ़ावा देना है और उन्होंने लोगों को ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने को कहा।

विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार 2 हजार पद टीमेट और मल्टीटास्क वर्कर विद्युत विभाग में जल्द भरने जा रही है। उन्होंने कहा कि त्रिपल के नजदीक बनखंडी में चिड़ियाघर बनने जा रहा है जिससे पर्यटन के साथ साथ इलाके के लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल खोलने जा रही है जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होगा।

इससे पूर्व विधायक का त्रिपल पंचायत में पहुंचने पर पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय जनता द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया और पंचायत प्रतिनिधियों ने माता बगलामुखी की फोटो विधायक को भेंट की।

अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुरेश वालिया , अधिशाषी अभियंता जल शक्ति विभाग अनीश ठाकुर , अधिशाषी अभियंता विद्युत विभाग वालेश शर्मा , प्रधान त्रिपल गुरबचन सिंह , बीडीसी रंजीत , पूर्व प्रधान सरोज , पूर्व उपप्रधान अवतार गुलेरिया , कृष्ण चौधरी , पवन , महेश , इंद्रजीत सिंह सहित स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

ग्रामीण स्तर पर जैव विविधता के संरक्षण के लिए बनेगा प्लान : डीसी

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मशाला : उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि कांगड़ा जिले के सभी विकास खंडों में जैव विविधता प्रबंधन समितियां गठित की जाएंगी इसमें युवाओं, स्कूलों, स्वयंसेवी संस्थाओं और ग्रामीण समुदायों को विशेष रूप से जोड़ा जाएगा। ताकि जैव विविधता संरक्षण की दिशा में सार्थक कदम उठाए जा सकें। वीरवार को उपायुक्त हेमराज बैरवा ने जैव विविधता प्रबंधन समितियों को पुन: सक्रिय करने के लिए विशेष जिला स्तरीय अभियान का शुभारंभ किया।

उन्होंने बताया कि मिशन का उद्देश्य जैव विविधता प्रबंधन समितियों की भूमिका को फिर से सशक्त बनाना है ताकि वे जलवायु परिवर्तन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन 2025 की थीम के अनुरूप प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें।उन्होंने बताया कि यह जिम्मेदारी जिला आपदा प्रबंधन के जिला इंटरेजेंसी ग्रुप के माध्यम से की जाएगी । उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के परामर्श से जन जैव विविधता रजिस्टर (पीबीआर) तैयार किया जाएगा तथा स्थानीय जैविक संसाधनों की उपलब्धता, उपयोग और उनसे जुड़े पारंपरिक ज्ञान के बारे में जानकारी एकत्र की जाएगी ताकि ग्रामीण स्तर पर जैव विविधता के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्लान तैयार किया जा सके। इस पहल के अंतर्गत आज डीआरडीए हॉल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें एनजीओ, नागरिक समाज संगठनों और स्थानीय संस्थाओं की जैव विविधता संरक्षण में भूमिका पर चर्चा की गई। सम्मेलन में वक्ताओं ने सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने, स्थानीय पारिस्थितिक तंत्रों की सुरक्षा और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण पर बल दिया।

इससे पहले कन्वीनर , जिला इंटरएजेंसी ग्रुप हरजीत भूलर ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए जैव विविधता प्रबंधन समितियां की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

विद्युत उपभोक्ता करवाएं ई-केवाईसी

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मशाला : विद्युत उपमंडल नं 2 के सहायक अभियन्ता रमेश धीमान ने बताया कि विद्युत उपमंडल हिप्र राविबोर्ड नं 2, धर्मशाला के अन्तर्गत आने वाले गांवों जैसे कोहाला, मटोर, अनसोली, झीयोल, मसरेहर, सुक्कड़, त्रेम्बलू, मन्दल, मनेड, बनवाला, चेतरू, बगली, कन्द्रेहड, गंगभेरो, सकोह, चेलियां, जवाहर नगर, दाड़ी, बरोल, सुधेड़, सराह, शीला, पास्सू इत्यादि के पंचायत स्तर पर लगाये गये शिविरों में अपनी विद्युत सब्सिडी से संबंधित ईकेवाईसी नहीं करवाई है तो वह जल्दी से जल्दी इकार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को पहुंचकर 31 मई 2025 तक ईकेवाईसी करवा लें। उपभोक्ता जरूरी दस्तावेज़ जैसे आधार कार्ड, विद्युत बिल और अपना मोबाइल जो आधार कार्ड से जुड़ा हो साथ में ले कर आयें। उन्होंने बताया कि अगर कोई उपभोक्ता ईकेवाईसी करवाने में सहयोग नहीं करता तो वह उपभोक्ता भविष्य में बिजली के बिलों में मिलने वाली सुविधाओं जैसे सब्सिडी इत्यादि से वंचित रह सकते हैं जिसके लिए उपभोक्ता स्वयं जिम्मेदार होंगे। इसके अलावा उन्होंने बताया कि जो भी उपभोक्ता विद्युत उपमंडल हिप्रराबि बोर्ड नं 2, धर्मशाला के अन्तर्गत आते हैं वह अपने विद्युत बिलों का भुगतान 27 मई 2025 तक अपने बिलों का भुगतान कर दें नहीं तो बिना किसी अतिरिक्त सूचना के बिजली का कनैक्शन काट दिया जायेगा।

वस्त्र मंत्रालय
MINISTRY OF
TEXTILES
सत्यमेव जयते

सत्यमेव जयते
हिमाचल प्रदेश सरकार

एकता

हिमाचल प्रदेश में वस्त्र के लाभ पर प्रदर्शनी एवं ज्ञान साझाकरण सत्र

वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार आपको
सादर आमंत्रित करता है

हथकरघा, हस्तशिल्प, रेशम, ऊन और जूट के
विविध उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री
19 से 26 मई 2025
स्थान: पदम देव कॉम्प्लेक्स,
द रिज, शिमला

ज्ञान सत्र: सुबह 11:00 से दोपहर 1:00 बजे तक
ज्ञान सत्र: दोपहर 02:00 से शाम 05:00 बजे तक
स्थान: गेयटी थिएटर, मॉल रोड, शिमला

19 मई 2025	1. एमओटी (पीएम मित्र, इन्फ्रा, एसआईटीपी सहित), एमओटी और हिमाचल राज्य सत्र एमपीएच द्वारा सत्र की पहल	2. सत्र निर्यात | निर्यात प्रभाग एमओटी एमपीएच	एमओटी + एचपी स्टेट-8 वक्ता, 300 प्रतिभागी निर्यात-4 वक्ता, 150 प्रतिभागी
20 मई 2025	1. सत्र समर्थ | समर्थ डिविजन एमओटी | एमपीएच 2. सत्र जूट के विविध उत्पाद-कौशल, पिछड़े और आगे के लिंकेज, बाजार और निर्यात के अवसर एनजेबी सीएच	3. सत्र एनटीटीएम | जूट जियो-टेक्सटाइल्स और तकनीकी टेक्सटाइल्स | एनजेबी और एनटीटीएम एमओटी | एमपीएच 4. सत्र सिल्क | सीएसबी | सीएच	समर्थ-4 वक्ता, 150 प्रतिभागी जेडीपी एनजेबी-6 वक्ता, 70 प्रतिभागी एनटीटीएम+जेजीटी एनजेबी 11 वक्ता, 200 प्रतिभागी सिल्क सीएसबी-4 वक्ता, 50 प्रतिभागी
21 मई 2025	1. निर्यात विपणन, ब्रांडिंग और ई-कॉमर्स के लिए जीएल की प्रासंगिकता सत्र डीसी हैंडलूम और डीसी हस्तशिल्प एमपीएच 2. सत्र हिमाचल की ऊन विरासत, ऊन और रेशम का मिश्रण | सीडब्ल्यूडीबी और सीएसबी | सीएच	3. सत्र | सस्टेनेबल फ़ैशन | एनआईएफटी | एमपीएच 4. एचपी/टीएक्ससी ऑफिस सीएच में कपड़ा विनिर्माण मूल्य श्रृंखला के लिए गुंजाइश और क्षमता	हथकरघा + हस्तशिल्प: 12 वक्ता, 200 प्रतिभागी ऊन + रेशम: 4 वक्ता, 50 प्रतिभागी एनआईएफटी: 4 वक्ता, 200 प्रतिभागी टीएक्ससी: 5 वक्ता, 50 प्रतिभागी

के सहयोग से

केन्द्रीय रेशम बोर्ड, भारत CENTRAL SILK BOARD, INDIA
DCHL
INDIA HANDLOOM
Development Commissioner (Handicrafts) Ministry of Textiles, Govt. of India
JUTE MARK INDIA

आयोजक
राष्ट्रीय पटसन बोर्ड NATIONAL JUTE BOARD
राष्ट्रीय पटसन बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार MINISTRY OF TEXTILES, GOVT. OF INDIA

ब्रीफ न्यूज

आवंटित घरों में 4 फीसदी घर दिव्यांगजनों के लिए होंगे रिजर्व

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने देशभर के दिव्यांगजनों के लिए बड़ा ऐलान किया है। सरकार ने फैसला किया कि सरकार की ओर से आवंटित

घरों में 4 प्रतिशत घर दिव्यांगजनों के लिए रिजर्व होंगे। आपको बता दें कि दिव्यांगजन उस व्यक्ति को कहा जाता है, जिसके पास एक या अधिक विकलांगताएं होती है। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय की ओर से इसकी जानकारी दी गई। यह कदम समाज के कमजोर और दिव्यांग लोगों के समावेशी विकास की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है।

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुरूप संपदा निदेशालय ने दिव्यांगजनों के लिए केंद्र सरकार के आवासीय सुविधाओं तक उचित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सर्कुलर जारी किया है। इसके अनुसार, केंद्र सरकार के आवास के आबंटन में विकलांग व्यक्तियों को 4 फीसदी का आरक्षण प्रदान किया जाएगा, जो सार्वजनिक सेवाओं में समानता, सम्मान और सुगम्यता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह पहल न केवल प्रत्येक नागरिक के सशक्तीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि समावेशी और सुलभ भारत की नींव को भी मजबूत करती है।

टेलीकॉम सेक्टर में फ्रेशर्स के लिए होंगे शानदार मौके, रोल स्पेसिफिक डिमांड है तेज

नई दिल्ली : देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में रिकॉर्डतोड़ मुनाफा

हुआ है। कंपनी ने इस अवधि (जनवरी-मार्च) में 3,067.5 करोड़ रुपये का टैक्स के बाद अपना अब तक का सबसे ज्यादा चौथी तिमाही का प्रॉफिट दर्ज किया। पीटीआई की खबर के मुताबिक, कंपनी का कहना है कि मजबूत हवाई यात्रा मांग ने इसमें सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। मार्च 2025 को खत्म तीन महीनों में कंपनी का टैक्स के बाद मुनाफा 1,894.8 करोड़ रुपये से 62 प्रतिशत उछल गया, जो एक साल पहले की अवधि में था। बोर्ड ने प्रति इक्विटी शेयर 10 रुपये के लाभांश की सिफारिश की है। खबर के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में इंडिगो की क्षमता 21 प्रतिशत बढ़कर 42.1 अरब हो गई, जबकि यात्रियों की संख्या 19.6 प्रतिशत बढ़कर 3.19 करोड़ हो गई।

वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में कुल आय बढ़कर 23,097.5 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 18,505.1 करोड़ रुपये थी। मार्च तिमाही में, इंडिगो का यात्री टिकट राजस्व 25.4 प्रतिशत बढ़कर 195,673 मिलियन रुपये हो गया और सहायक राजस्व एक साल पहले इसी अवधि की तुलना में 25.2 प्रतिशत बढ़कर 21,525 मिलियन रुपये हो गया।

भारत की अर्थव्यवस्था पर फिच का बढ़ा भरोसा, 2028 तक औसत जीडीपी ग्रोथ अनुमान इतना बढ़ाया

नई दिल्ली : भारत की अर्थव्यवस्था पर रेटिंग एजेंसी फिच का भरोसा बढ़ा है। फिच ने गुरुवार को 2028 तक भारत की औसत वार्षिक वृद्धि क्षमता को बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। नवंबर 2023 में यह 6.2 प्रतिशत अनुमानित थी। पीटीआई की खबर के मुताबिक, फिच ने पांच साल आगे के संभावित जीडीपी अनुमानों को अपडेट करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2023 की रिपोर्ट के समय की अपेक्षा अधिक मजबूती से वापस लौटी है, जो महामारी के झटके से कम प्रतिकूल घायल प्रभाव का संकेत देती है। खबर के मुताबिक, अपने अपडेट किए गए पूर्वानुमान में, फिच ने 2023-2028 के लिए भारत की औसत वृद्धि अनुमान को 6.2

प्रतिशत से बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया। इसने कहा कि फिच रेटिंग्स ने ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक में शामिल 10 उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के लिए अगले पांच वर्षों में अपने मध्यम अवधि के संभावित जीडीपी अनुमानों को थोड़ा कम कर दिया है। इसमें कहा गया है कि हमारा नया अनुमान जीडीपी भारित आधार पर 3.9 प्रतिशत की ग्रोथ दर्शाता है, जो नवंबर 2023 में प्रकाशित हमारे पिछले आकलन में 4 प्रतिशत से कम है। साथ ही कहा गया है कि हमारा अभारित औसत ईएम10 संभावित वृद्धि अनुमान 3.1 प्रतिशत है, जो 2023 की रिपोर्ट से थोड़ा अधिक है। इससे पहले फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया था। रेंटिंग एजेंसी फिच ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के अपने विशेष तिमाही अपडेट में कहा, अमेरिकी व्यापार नीति के बारे में पूरे विश्वास के साथ कुछ भी कहना मुश्किल है। व्यापक स्तर पर नीति अनिश्चितता, व्यापार निवेश की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रही हैं। शेयर की कीमतों में गिरावट से घरेलू संपत्ति कम हो रही है और अमेरिकी निर्यातकों को जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

दिल्ली में सोलर पैनल लगाने पर मिलेगी 1,08,000 रुपये की सब्सिडी

नई दिल्ली : दिल्ली में रहने वाले लोगों के लिए आज एक शानदार खबर आई। दिल्ली मंत्रिमंडल ने घरों की छत पर 3 किलोवाट के सोलर पैनल लगाने पर 30,000 रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दिए जाने को आज मंजूरी दी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने ये जानकारी दी।

दिल्ली के मंत्री ने कहा, ''मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की एक अहम मीटिंग में दिल्ली की जनता को प्रति किलोवाट 10,000 रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी को मंजूरी दी गई है, जो करीब 30,000 रुपये होगी।'' बताते चलें कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए 78,000 रुपये तक की सब्सिडी देती है।

दिल्ली सरकार के इस फैसले से अब दिल्ली की जनता को 3 किलोवाट के सोलर पैनल लगवाने पर अब कुल 1,08,000 रुपये की सब्सिडी मिलेगी। इसमें केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली 78,000 रुपये की सब्सिडी के साथ दिल्ली सरकार द्वारा दी जाने वाली 30,000 रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी शामिल है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने ये भी कहा कि सरकार बैंकों के साथ पार्टनरशिप करेगी, ताकि लोगों को सोलर पैनल लगाने में लगने वाले खर्च पर आसानी से लोन मिल सके। उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी जेब से पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा और हर महीने 4200 रुपये की बचत होगी।

बताते चलें कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत 2 किलोवाट तक के सोलर पैनल लगाने में होने वाले खर्च का 60 प्रतिशत और 2 से 3 किलोवाट क्षमता के बीच के सोलर सिस्टम के लिए अतिरिक्त खर्च का 40 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाती है। सब्सिडी की सीमा 3 किलोवाट क्षमता तक सीमित रखी गई है।

इंडसइंड बैंक धोखाधड़ी मामले में कर्मचारियों पर शक

नई दिल्ली : इंडसइंड बैंक के बोर्ड ने डेरिवेटिव, माइक्रो फाइनेंस और बही-खाते की 'धोखाधड़ी' में कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता का संदेह जताया है। बैंक ने मैनेजमेंट को जांच एजेंसियों और नियामक प्राधिकरणों को इस मामले की जानकारी देने का निर्देश को दिया है। प्राइवेट सेक्टर के बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने बुधवार को हुई मीटिंग में ये फैसला किया। इस मीटिंग में जनवरी-मार्च तिमाही और वित्त वर्ष 2024-25 के वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी गई। इंडसइंड बैंक ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि आंतरिक ऑडिट रिपोर्ट के साथ बाहरी पेशेवर फर्म की समीक्षा के आधार पर बोर्ड को संदेह है कि %बैंक के खिलाफ धोखाधड़ी की घटना% में बैंक के अकाउंट्स एंड फाइनेंशियल रिपोर्टिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कुछ कर्मचारी संलिप्त रहे हैं। इंडसइंड बैंक ने कहा, ''इसे ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने कानून के तहत आवश्यक कदम उठाने (नियामक प्राधिकरणों और जांच एजेंसियों को सूचना देने सहित) और इन खामियों के लिए जिम्मेदार सभी व्यक्तियों की जवाबदेही तय करने का निर्देश दिया है।'' इंडसइंड बैंक ने कहा कि बैंक ने मार्च तिमाही और समूचे वित्त वर्ष के वित्त परिणामों को अंतिम रूप देते समय ऑडिट रिपोर्ट में चिह्नित सभी विसंगतियों के प्रभाव को उचित रूप से दर्ज करने के साथ दर्शाया है। मार्च में बैंक ने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में अकाउंट्स से जुड़ी खामियों की सूचना दी थी, जिसका दिसंबर, 2024 तक बैंक की शुद्ध संपत्ति पर लगभग 2.35 प्रतिशत का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का अनुमान है। इसके बाद, बैंक ने बही-खाते पर प्रभाव, अलग-अलग स्तरों पर खामियों का आकलन करने और सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देने के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया था।

अडाणी ग्रुप की इस कंपनी को मिला 150 मिलियन डॉलर का लोन

नई दिल्ली : अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने डीबीएस ग्रुप होल्डिंग्स लिमिटेड के साथ बाइलेटरल लोन एग्रीमेंट के तहत करीब 150 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। इस पूरे मामले से परिचित लोगों ने अडाणी पोर्ट्स और डीबीएस ग्रुप के बीच हुई इस डील की जानकारी साझा की है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अडाणी पोर्ट्स द्वारा इस लोन के पैसों का इस्तेमाल पूंजीगत व्यय के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस सुविधा की कीमत बेंचमार्क सिक्योर्ड ओवरनाइट फाइनेंसिंग रेट से लगभग 200 बेसिस पॉइंट्स ज्यादा रखी गई है। मामले से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा कि हेजिंग

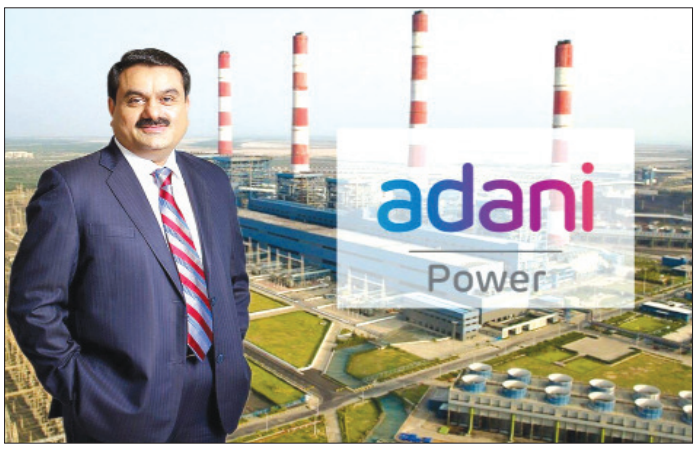

कॉस्ट सहित कुल कीमत लगभग 5.5 प्रतिशत है। हालांकि, अडाणी पोर्ट्स और डीबीएस ने अभी तक इस लोन डील पर कोई आधिकारिक स्टेटमेंट नहीं दिया है। बताते चलें कि पिछले साल नवंबर में कथित रिश्वतखोरी की साजिश के लिए अडाणी पर अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा अभियोग लगाए जाने के बाद ये ग्रुप लगातार ऋणदाताओं का विश्वास हासिल कर रहा है। एक व्यक्ति ने कहा कि अभियोग के बाद से ये बाइलेटरल लोन ग्रुप का किसी ग्लोबल बैंक से पहला लोन है। पिछले महीने, ग्रुप ने एक कंस्ट्रक्शन फर्म के अधिग्रहण के लिए एक ऑफशोर प्राइवेट प्लेसमेंट बॉन्ड के माध्यम से करीब 750 मिलियन डॉलर जुटाए थे। इसमें ब्लैकरॉक इंक ने लगभग एक तिहाई निर्गम की सदस्यता ली। इसके अलावा, ग्रुप अपनी एयरपोर्ट यूनिट के लिए 750 मिलियन डॉलर के लोन के लिए बार्कलेज पीएलसी, फर्स्ट अबू धाबी बैंक पीजेएससी और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक पीएलसी सहित विदेशी बैंकों के साथ बातचीत कर रहा है।

सूर्यकुमार यादव तोड़ेंगे सचिन तेंदुलकर का सबसे बड़ा कीर्तिमान !

नई दिल्ली : सूर्यकुमार यादव इस साल के आईपीएल में कमाल का खेल दिखा रहे हैं। खास बात ये है कि इस साल आईपीएल में खेले गए हर मैच में अब तक 25 से ज्यादा रन बनाने में कामयाब रहे हैं। अब उनकी नजर सचिन तेंदुलकर के बहुत बड़े रिकॉर्ड पर है, जो वे तोड़ने के काफी करीब हैं। अब मुंबई इंडियंस की टीम प्लेऑफ में भी पहुंच चुकी है, ऐसे में उनके लिए ये कीर्तिमान अपने नाम करना और भी आसान हो गया है। खास बात ये है कि सचिन तेंदुलकर ने ये कीर्तिमान साल 2010 में बनाया था, तब से लेकर अब तक अटूट है, लेकिन अब लगता है कि 15 साल बाद ये टूट जाएगा। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का कीर्तिमान सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होंने साल 2010 के आईपीएल में 15 मैच खेलकर 618 रन बनाने का काम किया था। उस साल उन्होंने पांच अर्धशतक लगाए थे। सचिन का औसत 47.53 का था और उन्होंने 132.61 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी। तब से लेकर अब तक कोई भी इसे तोड़ नहीं पाया। हालांकि साल 2023 के आईपीएल में सूर्यकुमार यादव उनके काफी करीब पहुंच गए थे। उस साल सूर्या ने 16 मैच खेलकर 605 रन बना दिए थे, लेकिन 618 तक नहीं पहुंच पाए।

अभी की बात करें तो इस साल सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस की ओर से 13 मैच खेलकर 583 रन बना लिए हैं। अब तक उनका औसत 72.87 का है और वे 170 से भी ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहे हैं। उनके पास अभी मौका है कि वे लीग चरण का जो मैच बचा हुआ है, उसी में 600 का आंकड़ा पार करें। इसके बाद जो प्लेऑफ के मैच होंगे, उसमें सचिन तेंदुलकर को पीछे कर दें। यहां से सूर्यकुमार यादव को केवल 36 रन और चाहिए, जो सूर्या एक ही मैच में बना सकते हैं, लेकिन अगर नहीं बने तो फिर उसके बाद भी उनके पास मैच होंगे।

खास बात ये है कि सूर्यकुमार यादव ऑरेंज कैप की रेस में भी अपने दावेदारी ठोक रहे हैं। उनसे आगे अब केवल दो ही बल्लेबाज बचे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के नाम दर्ज हुआ बेहद शर्मनाक रिकॉर्ड

नई दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन में प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम का फैसला 21 मई को मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले गए मुकाबले के साथ हो गया। इस मैच में मुंबई इंडियंस की टीम का दबदबा पूरी तरह से देखने को मिला जिसमें उन्होंने पहले बल्लेबाजी करते हुए जहां 180 रनों का स्कोर बनाया तो वहीं दिल्ली कैपिटल्स की टीम को 121 रनों पर समेटने के साथ मैच को 59 रनों से अपने नाम किया। इसी के साथ मुंबई इंडियंस की टीम ने प्लेऑफ के लिए अपनी जगह को भी पक्का कर लिया। वहीं दिल्ली कैपिटल्स जो सीजन की शुरुआत में प्वाइंट्स टेबल में नंबर-1 पर चल रही थी वह प्लेऑफ के लिए अपनी जगह बनाने से चूक गई। इसी के साथ आईपीएल के 18 साल के इतिहास में दिल्ली कैपिटल्स के नाम एक ऐसा शर्मनाक रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया। आईपीएल के अभी तक के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी टीम ने सीजन की शुरुआत शानदार तरीके से करते हुए अपने शुरुआती चारों मुकाबलों में जीत दर्ज की लेकिन बाद में वह टीम प्लेऑफ में अपनी जगह को पक्का करने में कामयाब नहीं हो सकी। दिल्ली कैपिटल्स के नाम अब ये बेहद घटिया रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स ने सीजन की शुरुआत काफी बेहतरीन की थी, जिसमें उन्होंने अपने पहले चार मैचों में लखनऊ, हैदराबाद, चेन्नई और आरसीबी को मात दी थी, इसके बाद उन्हें इस सीजन की अपनी पहली हार का मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए 13 अप्रैल को मुकाबले में मिली।

आयुष महात्रे कप्तान, वैभव सूर्यवंशी को भी मिली जगह

नई दिल्ली : भारतीय सीनियर टीम जहां 20 जून से अपने इंग्लैंड दौरे का आगाज करेगी जिसको लेकर सभी फैंस स्क्वाड के ऐलान का इंतजार काफी बेसब्री से कर रहे हैं। वहीं टीम इंडिया की अंडर-19 टीम भी जून महीने में इंग्लैंड का दौरा करेगी जिसको लेकर बीसीसीआई की तरफ से 22 मई को स्क्वाड और पूरे शेड्यूल का ऐलान कर दिया गया। आईपीएल 2025 के सीजन में अपने प्रदर्शन चर्चा में आने वाले 14 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी स्क्वाड में जगह मिली है तो वहीं सीएसके की तरफ से खेल रहे आयुष महात्रे को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। इंग्लैंड दौरे के लिए बीसीसीआई की तरफ से घोषित की गई भारतीय अंडर-19 टीम में आयुष महात्रे को घरेलू क्रिकेट और फिर आईपीएल में उनके अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है। वहीं वैभव की चर्चा पूरे वर्ल्ड क्रिकेट में देखने को मिल रही है, जिसमें उन्होंने सिर्फ 14 साल की उम्र में डेब्यू करने के साथ आईपीएल में बतौर भारतीय खिलाड़ी सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। वैभव ने अपने डेब्यू आईपीएल सीजन में 7 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 252 रन बनाएं जिसमें उनके बल्ले से एक शतकीय और एक अर्धशतकीय पारी देखने को मिली। भारतीय अंडर-19 टीम का ये दौरा 24 जून से शुरू होगा जो 23 जुलाई तक चलेगा।

पाकिस्तान जाने से डर रहे अब बांग्लादेशी खिलाड़ी

मुंबई : बांग्लादेश की टीम को तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलने के लिए पाकिस्तान का दौरा करना है, जिसमें इसका आगाज 28 मई से होगा। पहले ये सीरीज पांच मैचों की होनी थी लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच बॉर्डर पर बिगड़े हालात के बाद अब दुबारा से शेड्यूल का ऐलान किया गया है जिसमें कुल तीन मैच खेले जाएंगे।

इस टी20 सीरीज के तीनों ही मुकाबले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होंगे। वहीं इसी बीच बांग्लादेश टीम के प्लेयर्स में पाकिस्तान जाने का खौफ साफतौर पर दिख रहा है, जिसमें पिछले दिनों पर जिस पर तरह के हालात से उसे देखते हुए बांग्लादेश टीम के तेज गेंदबाज नाहिद राणा के अलावा कोचिंग स्टाफ के 2 सदस्यों ने पाकिस्तान जाने से मना कर दिया है। बीसीबी के क्रिकेट ऑपरेशन चेयरमैन नजमुल अबेदीन फहीम ने पाकिस्तान सीरीज से नाहिद राणा के नाम वापस लेने के फैसले को लेकर दिए अपने बयान में कहा कि नाहिद राणा और रिशाद ने हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान जो कुछ झेला उसके लिए आप उन्हें दोषी नहीं ठहरा सकते। शायद यही वजह है कि राणा ने दौरे से नाम वापस ले लिया है। कोचिंग स्टाफ में जेम्स पैमेंट और नाथन केली जो हमारे फील्डिंग कोच और ट्रेनर हैं उन्होंने भी जाने से मना कर दिया है, इसके अलावा टीम के बाकी प्लेयर्स और कोचिंग स्टाफ के सदस्य सभी पाकिस्तान के दौरे पर जा रहे हैं।

बता दें कि नाहिद राणा पीएसएल में पेशावर जाल्मी टीम की तरफ से खेल रहे थे, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच जब हालात बिगड़े तो उन्हें वहां से वापस अपने देश लौटने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था।

पाकिस्तान के दौरे पर रवाना होने से पहले बांग्लादेश की टीम ने तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए यूएई का दौरा किया जहां पर उन्हें 2-1 से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। बांग्लादेश ने इस सीरीज के पहले मुकाबले को तो अपने नाम कर लिया था, लेकिन अगले 2 मैचों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। यूएई की ये आईसीसी फुल मेंबर किसी भी टीम के खिलाफ टी20 फॉर्मेट में दूसरी सीरीज जीत है, जिससे इससे पहले उन्होंने साल 2021 में आयरलैंड के खिलाफ 2-1 से सीरीज जीती थी।

शुभमन गिल और साईं सुदर्शन के पास इतिहास रचने का मौका

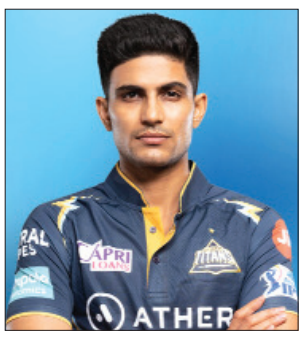

नई दिल्ली : गुजरात टाइटंस की टीम जिनका आईपीएल का पिछला सीजन काफी खराब रहा था उन्होंने 18वें सीजन में शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार वापसी करने के साथ लीग स्टेज के मुकाबले खत्म होने से पहले ही प्लेऑफ के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया है। गुजरात टाइटंस की टीम ने इस सीजन अब तक कुल 12 मैच खेले हैं, जिसमें से वह 9 मुकाबलों को जीतने में कामयाब रहे। वहीं अब उनकी नजरें अगले दोनों मैच जीतने के साथ टॉप-2 पर रहते हुए खत्म करने पर होगी। गुजरात की टीम के इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय उनकी टीम की ओपनिंग जोड़ी को जाता है, जिसमें कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन का बल्ला जमकर बोलते हुए देखने को मिला है। वहीं अब गिल और सुदर्शन की जोड़ी के पास 9 साल पुराना एक बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ने का मौका है।

शुभमन गिल और साई सुदर्शन की ओपनिंग जोड़ी ने अब तक आईपीएल 2025 के सीजन में 12 पारियों में टीम के लिए शुरुआत की है, जिसमें दोनों 76.27 के बेहतरीन औसत के साथ 839 रन बनाएं हैं। इस दौरान दोनों के बीच तीन शतकीय और चार अर्धशतकीय साझेदारी भी देखने को मिली जिसमें सबसे ज्यादा 205 रनों की साझेदारी है। गिल और सुदर्शन यदि अपने इसी प्रदर्शन को जारी रखने में कामयाब होते हैं तो उनके पास आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली जोड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका होगा जिससे अभी वह सिर्फ 101 रन पीछे हैं। आईपीएल में एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बतौर जोड़ी बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली और एबी डिविलियर्स के नाम पर है जिन्होंने साल 2016 के सीजन में मिलकर कुल 939 रन बनाए थे।

इन 3 ओपनर्स की होगी भारतीय टीम में एंट्री?

नई दिल्ली : आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की चारों टीमें तय हो गई हैं। इनमें पंजाब किंग्स, आरसीबी, गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस ने क्वालीफाई कर लिया है। आईपीएल 2025 में तीन प्लेयर्स ने बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया है। इनमें साई सुदर्शन, प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या के नाम शामिल हैं। ये तीनों प्लेयर्स भारतीय टीम में जगह बनाने के प्रबल दावेदार हैं। सुदर्शन को टेस्ट टीम में और प्रभसिमरन, प्रियांश को टी20 टीम में मौका मिल सकता है। आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन ने गुजरात टाइटंस के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उन्होंने दमदार खेल दिखाया है। 23 साल का ये युवा बल्लेबाज अपने खेल से सभी को प्रभावित करने में सफल रहा है। उन्होंने आईपीएल के मौजूदा सीजन में कुल 617 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और पांच अर्धशतक निकले हैं। वह टीम के लिए सबसे बड़े मैच विनर उभरे हैं। उन्होंने ओपनिंग करते हुए गुजरात की टीम को कई मैचों में जीत दिलाई है। उनकी काबिलियत को देखते हुए सेलेक्टर्स उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में मौका दे सकते हैं।

जन समुदाय में बैठकर आवश्यकता से अधिक नहीं बोलना चाहिए।

– *संत तुकाराम*

12 संदिग्ध जासूस गिरफ्तार

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से जुड़े करीब 12 संदिग्ध जासूसों को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों से साफ है कि देश की सुरक्षा को खतरा सिर्फ सीमाओं पर ही नहीं, बल्कि घर के भेदियों से भी है। ऐसे लोग कई राज्यों में रहकर संवेदनशील जानकारियां दुश्मनों तक पहुंचा रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अपने इन खतरनाक इरादों को पूरा करने के लिए सोशल मीडिया को ये लोग हथियार के रूप में इस्तेमाल करने लगे हैं।

एक तथ्य यह भी है कि राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त ये लोग किसी खास वर्ग, पृष्ठभूमि या विचारधारा से जुड़े हुए नहीं है, बल्कि इनमें व्यवसायी, यूट्यूबर, विद्यार्थी और मजदूर जैसे आम आदमी शामिल हैं। एजेंसियों की जांच में यह खुलासा हुआ है कि जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के दौरान जब समूचा देश एकजुट होकर सेना के साथ खड़ा था, तब ये लोग मोबाइल ऐप और सोशल मीडिया के जरिए सेना की हलचल और संवेदनशील जानकारियां दुश्मन को मुहैया करा रहे थे।

हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति रानी मल्होत्रा हो या फिर छात्र देवेंद्र सिंह ढिल्लन, उत्तर प्रदेश का व्यवसायी शहजाद हो या फिर मुर्तजा अली, गजाला और यामिन, ये सभी चेहरे हमारी आम जिंदगी में आसपास होते हैं। ऐसे लोगों से रोज मुलाकात होती है लेकिन इनके खतरनाक इरादों का पता नहीं चल पाता। इस तरह के अलग-अलग पृष्ठभूमि वाले लोगों का दुश्मन के जाल में फंसना खतरे की इस गंभीरता को बताता है कि अब दुश्मन को खास प्रोफाइल वालों की जरूरत नहीं है।

वह सिर्फ सैन्य, तकनीकी और रणनीतिक सूचनाएं उपलब्ध कराने वाले लोगों को अपने जाल में फंसा रहा है। इन लोगों पर शिकंजा कसने के लिए सुरक्षा एजेंसियों की तारीफ की जानी चाहिए। सुरक्षा एजेंसियों के साथ आम नागरिक के रूप में हमारा भी कर्तव्य है कि वे अपने आसपास के लोगों पर नजर रखें और किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारियां पुलिस या सुरक्षा बलों को दें। जो लोग ऐसा कर रहे हैं, उनको सख्त से सख्त सजा दिलाना और इनके मददगारों को उखाड़ फेंकना जरूरी है। हमें डिजिटल सुरक्षा और जनजागरूकता पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

मन का संपूर्ण समर्पण

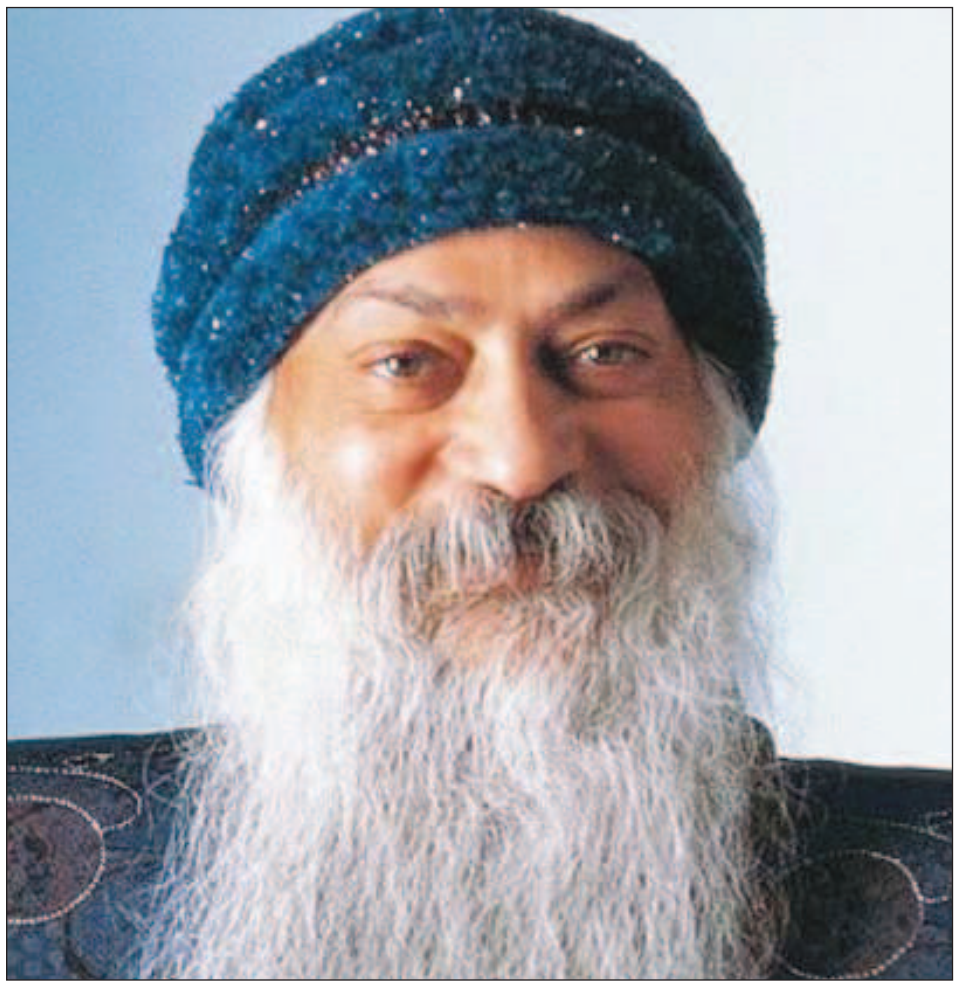

आपने कहा कि हमारी कोई समस्या नहीं है, हमारी समस्याएं मौजूद ही नहीं हैं। मैं एक कैथोलिक परिवार में पला-बढ़ा हूं और इक्कीस साल एक विक्षिप्त शिक्षा के माहौल में गुजारे हैं। क्या आप यह कह रहे हैं कि आदतों और दमन के सभी कवच मौजूद नहीं होते और तुरंत छोड़े जा सकते हैं? फिर उन चिन्हों का क्या होगा जो दिमाग पर और शरीर की मांसपेशियों पर छूट गए हैं? यह बहुत अर्थपूर्ण सवाल है। सवाल अर्थपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य के कार्य करने की आंतरिक वास्तविकता के दो विभिन्न दृष्टिकोणों को दिखाता है। पश्चिमी दृष्टिकोण है समस्या के बारे में सोचना, समस्या के कारण ढूंढना, समस्या के इतिहास में जाना, समस्या के अतीत में जाना, समस्या को बिलकुल जड़ से उखाड़ना, दिमाग के संस्कारों को खत्म करना या उन सभी चिन्हों को दूर करना जो दिमाग पर छूट गए हैं। यह पश्चिमी दृष्टिकोण है।

मनोविश्लेषण स्मृति में जाता है, वहां काम करता है। यह तुम्हारे बचपन में जाता है, तुम्हारे अतीत में, यह पीछे की ओर गति करता है। यह ढूंढता है कि समस्या कहां से शुरू हुई थी। हो सकता है पचास साल पहले, जब तुम एक बच्चे थे, तुम्हारी समस्या तुम्हारी मां के साथ हुई थी। तब मनोविश्लेषण पीछे जा सकता है। पचास साल का इतिहास! यह बहुत लंबा घिसटता हुआ काम है। और तब भी शायद यह ज्यादा मदद नहीं करता क्योंकि समस्याएं लाखों हैं। यह एक समस्या का सवाल नहीं है। तुम एक समस्या के इतिहास में जा सकते हो, तुम अपनी आत्मकथा में देख सकते हो और कारणों को खोज सकते हो और शायद तुम एक समस्या को हल कर सकते हो, लेकिन लाखों समस्याएं हैं।

एक जन्म की समस्याओं को हल करने के लिए यदि तुम हर समस्या में जा कर काम करना शुरू करोगे तो तुम्हें लाखों जन्मों की जरूरत पड़ेगी। अब वही मनोविश्लेषण का दृष्टिकोण शरीर में प्रवेश कर चुका है और अन्य तरीके हैं जोकि शरीर से, मांसपेशियों से चिन्हों को मिटाने की कोशिश करते हैं। फिर से, तुम्हें शरीर के इतिहास में जाना होगा। लेकिन दोनों दृष्टिकोणों में एक चीज सुनिश्चित है, उनका सोचने का एक जैसा तर्कपूर्ण तरीका कि समस्या अतीत से आती है, इसलिए इससे अतीत में निपटना होगा। पूरब का तरीका बिलकुल अलग है। पहला, वह कहता है कोई समस्या गंभीर नहीं है। जिस क्षण तुम कहते हो कि समस्या गंभीर नहीं है, समस्या करीब-करीब निन्यानबे प्रतिशत खत्म हो जाती है। इसके बारे में तुम्हारा संपूर्ण दृष्टिकोण बदल जाता है। दूसरी चीज पूरब कहता है, समस्या इसलिए है क्योंकि तुमने इसके साथ तादात्म्य किया है। इसका अतीत से कोई लेना-देना नहीं है। तुमने इसके साथ तादात्म्य बनाया है, यही असली चीज है। और यह सभी समस्याओं को सुलझाने की कुंजी है। उदाहरण के लिए तुम एक क्रोधी व्यक्ति हो।

यदि तुम मनोविश्लेषक के पास जाते हो, वह कहेगा अतीत में जाओ, यह क्रोध कैसे शुरू हुआ था? कौन सी परिस्थितियों में यह ज्यादा और ज्यादा आता है और तुम्हारे दिमाग पर अंकित हो जाता है? हमें वह सभी चिन्ह धो डालने होंगे, हमें उन्हें बाहर निकाल देना होगा। हमें तुम्हारे अतीत को पूर्णतया साफ करना होगा। यदि तुम पूरब के रहस्यदर्शी के पास जाओगे, वह कहेगा तुम सोचते हो तुम क्रोध हो, तुम क्रोध के साथ तादात्म्य महसूस करते हो। यही वह बिंदु है जब चीजें गलत हो रही हैं। अगली बार क्रोध आता है, सिर्फ दृष्टा रहें, सिर्फ साक्षी रहें।

क्रोध के साथ अपना तादात्म्य न बनाएं। न कहें, मैं क्रोध हूं। न कहें, मैं क्रोधित हूं। अपने आपको इस तरह देखें जैसे कि किसी और को देख रहे हैं। तुम एक विशुद्ध चेतना हो। जब गुस्से के बादल तुम्हारे चारों ओर छा जाते हैं तो सिर्फ देखो और सावधान रहो जिससे कि तुम उनसे अपना तादात्म्य न बना लो। पते की बात यह है कि कैसे समस्या से तादात्म्य न बनाया जाए। एक बार तुमने यह सीख लिया तो फिर तुम्हारे लिए सवाल नहीं होगा कि बहुत सी समस्याएं हैं, क्योंकि कुंजी, वही कुंजी सभी ताले खोलती है।

23 may Page No -7.qxd 5/22/2025 6:19 PM Page 1

शक्ति और समृद्धि का प्रतीक है सिंदूर

पिछले कुछ दिनों से भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान पोषित आतंकवादी ठिकानों पर हमलों के बाद से सिंदूर शब्द काफी चर्चा में है। ऑपरेशन सिंदूर के सफल आयोजन के बाद भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम से पूरा देश रोमांचित है। सनातन भारतीय परंपरा में सिंदूर शब्द का विशेष महत्व है। सिंदूर को देवी लक्ष्मी और दुर्गा से भी जोड़ा जाता है। इसे शक्ति और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार सिंदूर लगाने से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन बना रहता है। हिंदू धर्म में सिंदूर को सुहाग का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में हर विवाहित महिला अपनी मांग में पति के नाम का सिंदूर जरूरी लगाती है। ऐसी मान्यता है कि सुहागिन द्वारा मांग में सिंदूर भरने से उनका वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहता है। साथ ही, यह सिंदूर पति पर हर प्रकार के संकट को आने से रोकने में मदद करता है।

विवाहित महिलाओं द्वारा सिंदूर लगाने के पीछे का कारण यह भी बताया जाता है कि इससे घर में सुख-शांति बनी रहती है और पति-पत्नी के बीच का रिश्ता मजबूत रहता है। एक कथा के अनुसार, हनुमान जी ने जब मां सीता को सिंदूर लगाते हुए देखा और तो

जिज्ञासावश उनसे यह पूछा लिया कि वह हर दिन सिंदूर क्यों लगाती हैं? तब जानकी जी ने उन्हें बताया कि वह भगवान श्री राम की लंबी आयु के लिए मांग में सिंदूर भरती हैं और भगवान श्रीराम इससे प्रसन्न होते हैं। तब श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान जी ने अपने प्रभु को प्रसन्न करने के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर का लेप लगा लिया था। इसलिए वर्तमान काल में भी हनुमान जी की पूजा में सिंदूर का प्रयोग निश्चित रूप से किया जाता है। ऐसा करने से हनुमान जी प्रसन्न होते हैं और साधक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का ब्रह्मरंद्र यानी मस्तिष्क का ऊपरी भाग बहुत ही संवेदनशील और कोमल होता है।

ऐसे में सिंदूर लगाने से विद्युत ऊर्जा पर नियंत्रण पाई जा सकती है और इससे नकारात्मक विचार दूर रहते हैं। ऐसा भी देखा गया है कि सिंदूर लगाने से सिर दर्द, अनिद्रा, मस्तिष्क से जुड़ा रोग समाप्त हो जाता है। यह भी कहा जाता है कि सिंदूर के प्रयोग से चेहरे पर जल्दी झुर्रियां भी नहीं पड़ती हैं। सिंदूर का संबंध भगवान शिव और देवी पार्वती से जुड़ा है। शिव पुराण के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए सालों तक तपस्या की थी। जब पार्वती ने शिव से विवाह किया, तो उनके माथे पर सिंदूर लगाने की परंपरा शुरू हुई। साथ ही माता पार्वती ने कहा कि जो विवाहित महिलाएं अपनी मांग में सिंदूर लगाएंगी, उनके पति की लंबी आयु होगी और वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। महाभारत में भी देवी द्रौपदी द्वारा सिंदूर लगाने का वर्णन मिलता है।

ज्यादा खुशी देते हैं धार्मिक काम, नई स्टडी में दावा, डाक्टर, लेखक, बच्चों का टीचर बनना देता है सुकून

क्या आपकी नौकरी आपको सुकून देती है या हर सोमवार तनाव के साथ ऑफिस जाते हैं? अब इस सवाल का जवाब विज्ञान ने दे दिया है। एस्टोनिया की टार्टू यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक नई स्टडी में दुनिया की सबसे संतोषजनक और थकाऊभरी नौकरियों का खुलासा किया है। इस रिसर्च में करीब 59000 लोगों और 263 अलग-अलग पेशों का विश्लेषण किया गया। लोगों से उनकी नौकरी, वेतन, पर्सनालिटी और जीवन के अलग-अलग पहलुओं को लेकर सवाल पूछे गए। इसके आधार पर यह तय किया गया कि कौन-सी नौकरियां लोगों को सबसे ज़्यादा संतुष्टि देती हैं।

सुकून वाली नौकरियां

रिसर्च में कहा गया है कि सबसे आरामदायक नौकरियों में धार्मिक कार्य (पादरी आदि), डाक्टर और अन्य मेडिकल प्रोफेशन, लेखक या लेखक जैसे रचनात्मक कार्य, साइकोलॉजिस्ट, बच्चों के शिक्षक और जहाज इंजीनियर और मेटलवर्कर शामिल हैं।

सबसे कम संतोषजनक जॉब

रिसर्च में इस बात का भी खुलासा हुआ कि किन नौकरियों में सबसे कम सुकून है। इनमें सिक्योरिटी गार्ड, वेटर और सर्वे इंटरव्यूअर, सेल्स वर्कर और मेल कैरियर, कारपेंटर और केमिकल इंजीनियर, किचन स्टाफ, ट्रांसपोर्ट और मैन्युफैक्चरिंग वर्कर शामिल हैं।

मोटी सैलरी, पर खुशी नहीं

स्टडी की खास बात यह रही कि अच्छी सैलरी या प्रतिष्ठा वाले पेशों का हमेशा उच्च संतोष से संबंध नहीं था। स्टडी की लीड रिसर्चर कैटलिन एनी ने बताया कि हमने सोचा था कि प्रतिष्ठा वाली नौकरियां ज्यादा सुकून देंगी, लेकिन ऐसा नहीं था। जिन कामों में उपलब्धि की भावना ज्यादा होती है, वहां संतोष भी अधिक होता है, अगर वे नौकरी बहुत प्रतिष्ठित न हो।

उन्होंने यह भी कहा कि खुद का काम करने वाले यानी सेल्फ-एंप्लॉयड लोग ज्यादा खुश नजर आए, क्योंकि उनके पास अपने समय और काम को नियंत्रित करने की आजादी होती है। हालांकि यह रिसर्च एस्टोनिया के लोगों पर आधारित थी, लेकिन शोधकर्ताओं का मानना है कि इसके नतीजे पूरी दुनिया पर कुछ हद तक लागू हो सकते हैं।

पांच साल बाद जून से शुरु होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

पांच साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर की यात्रा इस वर्ष जून से अगस्त के बीच उत्तराखंड और सिक्किम दोनों रास्तों से शुरू होने जा रही है और इसमें कुल 750 यात्री महादेव के धाम जा सकेंगे। विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए विदेश और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने आज यहां इस यात्रा के लिए पंजीकरण कराने वाले यात्रियों के चयन के लिए कम्प्यूटरीकृत ड्रॉ आयोजित किया। लिपुलेख दर्रे से होकर जाने

पर 22 दिन और नाथू ला दर्रे से होकर 21 दिन का समय लगेगा। लिपुलेख दर्रे के रास्ते से होने वाली यात्रा में इस वर्ष 50-50 यात्रियों के पांच बैच जाएंगे जबकि नाथू ला दर्रे से होकर जाने वाली यात्रा में 10 बैच जाएंगे। दोनों मार्ग अब पूरी तरह से मोटर चलाने योग्य हैं। उत्तराखंड के रास्ते से जाने वाले यात्रियों को अब पैदल नहीं चलना पड़ेगा। लिपुलेख दर्रे तक सड़क बन गई है। उन्हें केवल सीमा पार करने के लिए करीब एक किलोमीटर ही चलना होगा।

यात्रियों को एसएमएस और ईमेल संदेशों के माध्यम से उनके चयन के बारे में सूचित किया जाता है। यात्री अपने चयन की स्थिति की जांच करने के लिए यात्रा वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबर 011-23088133 पर भी जानकारी ले सकते हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस वर्ष 5561 आवेदकों ने सफलतापूर्वक ऑनलाइन पंजीकरण कराया था जिसमें 4024 पुरुष आवेदक और 1537 महिला आवेदक शामिल थीं। यात्रा के खर्च के बारे में वेबसाइट में बताया गया है कि उत्तराखंड वाले मार्ग के लिए लगभग एक लाख 74 हजार रुपये तथा सिक्किम के रास्ते से जाने वालों के लिए दो लाख 83 हजार रुपये प्रति यात्री का शुल्क लिया जाएगा। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्द्धन सिंह ने अपने संबोधन में यात्रा को अधिक सुलभ बनाने और यात्रियों सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करते हुए प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यात्रियों से आग्रह किया कि वे एक-दूसरे की देखभाल करते हुए और पर्यावरण की पवित्रता की रक्षा करते हुए जिम्मेदारी, विनम्रता और भक्तिभाव के साथ तीर्थयात्रा करें।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक लोकेश सूद द्वारा 109/6, लोअर बाजार, शिमला से प्रकाशित तथा भारतेन्दु ऑफसैट प्रिंटिंग प्रैस, औद्योगिक क्षेत्र, खारा चौकी, शोघी, शिमला-173219 से मुद्रित। व्यवस्थापक सीमा सूद।
सम्पादकीय कार्यालय एवं फैक्स : 2808285
आर.एन.आई.नं. एचपीएचआईएन/ 2000/2437
पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं. एच पी/68/एस एम एल
bhartendushikhar20@yahoo.com

देश-विदेश

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर रोक लगाने की मांग वाली याचिकाओं पर लगातार तीन दिनों की सुनवाई के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने संबंधित सभी पक्षों की दलीलें विस्तारपूर्वक सुनीं। वक्फ कानून में संशोधन की वैधता को चुनौती देने वालों में कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी शामिल हैं। संशोधित कानून का समर्थन करने वाले हस्तक्षेपकर्ताओं में भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाली छह राज्य सरकारें शामिल हैं। हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और असम ने कानून का समर्थन किया। इन राज्यों ने प्रशासनिक निहितार्थों का हवाला देते हुए संशोधन का समर्थन किया है।

अब पाकिस्तान ने भी भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने को कहा

इस्लामाबाद : भारत के दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के एक राजनयिक को देश छोड़ने का आदेश दिए जाने के 24 घंटे के अंदर ही पाकिस्तान ने गुरुवार को जवाबी कदम उठाते हुए यहां स्थित भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को अवांछित घोषित कर पाकिस्तान छोड़ने को कहा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार संबंधित कर्मचारी को विशेषाधिकार से विपरीत गतिविधियों में लिप्त पाया गया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी को विदेश मंत्रालय में बुलाकर उसे सरकार के इस निर्णय से अवगत करा दिया है।

ईडी बोली, सोनिया-राहुल के खिलाफ केस बनता है

नई दिल्ली : कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़े नेशनल हेराल्ड मनी लांड्रिंग मामले में बुधवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में हुई चौथी में ईडी ने कोर्ट को बताया कि पहली नजर में सोनिया और राहुल के खिलाफ केस बनता है। दोनों ने अपराध की आय से 142 करोड़ रुपए कमाए हैं। ईडी की तरफ से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आरोपी तब तक अपराध की आय का आनंद ले रहे थे, जब तक कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नवंबर 2023 में नेशनल हेराल्ड से जुड़ी 751.9 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त नहीं कर ली।

निफ्ट के होनहारों के तैयार उत्पादों ने खींची भीड़

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : राजधानी के रिज स्थित पद्मदेव परिसर में वस्त्र मंत्रालय की ओर से एकता चित्रकला प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें देशभर के कलाकारों द्वारा तैयार किए उत्पादों को प्रदर्शित किया है। परिसर में 70 से अधिक स्टॉल सजाए हैं जिसमें राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान कांगड़ा (निफ्ट) के छात्रों द्वारा तैयार उत्पादों को भी सजाया है। छात्रों द्वारा तैयार उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। बच्चों ने कारीगरों की मदद से इन उत्पादों को तैयार किया है। स्टॉल पर पाइन नीडल के हैंडबैग, जोकि पाइन नीडल और कोरक के प्रयोग से तैयार किए गए है। इसके साथ वाउल, फूलदान, सजावट के सामान सहित और भी कई तरह के आकर्षक चीजों को प्रदर्शित किया है। इसके अलावा स्टॉल पर लकड़ी पर पहाड़ी चित्रकला

को उकेरा है, जोकि देखने में सुंदर लग रही है। इसके साथ ही टेक्सटाइल के बच्चों द्वारा बनाए वीविंग से लैंप और अलग-अलग डिजाइन के बैग को भी प्रदर्शित किया है।

निफ्ट कांगड़ा के सीआईसी विभाग के असिस्टेंट संयम चौधरी ने बताया कि पहले बच्चों को केवल क्राफ्ट के बारे में सिखाया जाता है। पांचवें सेमेस्टर में क्राफ्ट रिसर्च डॉक्यूमेंटेशन के लिए कारीगरों के पास जाते हैं और रिसर्च डॉक्यूमेंटेशन तैयार करते है। इसके बाद 7वें सेमेस्टर में छात्र उसी कलस्टर में जाकर उत्पाद तैयार करते हैं। क्राफ्ट बेस्ड डिजाइन प्रोडेक्ट का मुख्य उद्देश्य कारीगरों द्वारा बनाए उत्पादों में डिजाइन इंटरवेंशन करना है ताकि उनकों और बेहतर ढंग से प्रस्तुत किया जा सके। उन्होने बताया कि बच्चे कारीगरों द्वारा तैयार किए गया उत्पादों में बदलाव करके नई चीज तैयार करते है। उन्होने बताया कि काफी अच्छा रिस्पांस देखने को मिल रहा है। लोग इन उत्पादों को पसंद कर रहे है।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

नाहन : देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी सिरमौर द्वारा कांग्रेस भवन नाहन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। आधुनिक भारत की नींव रखने वाले नेता स्व राजीव गांधी को याद करते हुए कार्यक्रम में पूर्व विधायक कंवर अजय बहादुर सिंह ने कहा कि राजीव गांधी ने भारत को आधुनिक युग में ले जाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए।

पांगी घाटी को प्राकृतिक खेती उपमंडल घोषित करने की प्रक्रिया आरम्भ

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : कृषि विभाग के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की हिमाचल दिवस के अवसर पर की गई घोषणा के अनुरूप पांगी घाटी को प्राकृतिक खेती उपमंडल घोषित करने की प्रक्रिया आरम्भ कर दी है। उन्होंने कहा कि पांगी क्षेत्र में उत्पादित जौ को 60 रुपए प्रति किलोग्राम के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। इस निर्णय से क्षेत्र के किसानों का आर्थिकी में सुधार आने की आशा है। उन्होंने कहा कि इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर एक समिति का गठन किया गया। जिसने पांगी क्षेत्र की तीन पंचायतों- शौर, पुर्थी और रई का दौरा किया। इस समिति ने पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय किसानों से बातचीत कर प्राकृतिक खेती की अवधारणा, लाभ और कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी साझा की। इसके अतिरिक्त, किलाड़ में भी इस समिति की आवासीय आयुक्त की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें बीडीसी चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, बीडीसी सदस्य तथा पांगी की 19 पंचायतों के प्रधानों और उप-प्रधान ने भाग लिया। इस बैठक में प्राकृतिक खेती को अपनाने, इसके क्षेत्रवार क्रियान्वयन और पंचायतवार सुझावों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। प्रवक्ता ने कहा कि आवासीय आयुक्त ने इन पंचायती राज प्रतिनिधियों को प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी तथा घाटी के लोगों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

गोद लिए संजौली स्कूल में जांची व्यवस्थाएं

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के स्कूलों और समाज के बीच बेहतर समन्वय और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के लिए अपना विद्यालय दि हिमाचल स्कूल एडॉप्शन प्रोग्राम आरंभ किया है, जिसके तहत अतिरिक्त उपायुक्त शिमला अभिषेक वर्मा ने बुधवार को गोद लिए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला संजौली स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी कक्षाओं में बच्चों के साथ वार्तालाप किया। इसके साथ ही स्कूल के वार्षिक परिणाम के बारे में भी रिपोर्ट ली। बच्चों से रू-ब-रू होते हुए अभिषेक वर्मा ने कहा कि जीवन में अनुशासन सबसे अधिक भूमिका निभाता है। छात्र जीवन से जो अनुशासन में रहना सीख लेता है, वह सफलता की राह पर चलता है। प्रदेश सरकार ने स्कूलों और समाज के बीच बेहतर समन्वय और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के लिए अपना विद्यालय-द हिमाचल स्कूल एडॉप्शन प्रोग्राम शुरू किया है, जिसके तहत जिला के 100 अधिकारियों ने स्कूलों को गोद लिया है। हर महीने अधिकारी स्कूलों में जा रहे है और विभिन्न गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहे है। उनका लक्ष्य भी यही है कि संजौली स्कूल में बेहतर शिक्षा व्यवस्था विकसित हो सके। इसके अलावा यहां के बच्चे शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेलों व अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन कर सके।